अफ्रीकी कंपनी को अपनी सेवाएं देगा बीआरपीएल

नाइजीरिया में होगी दिल्ली जैसी बिजली व्यवसथा

नई दिल्लीः 10 मई, 2012। नाइजीरिया में बिजली व्यवस्था का बेहतर खाका तैयार करने और एटीएंड लॉस कम करने का सटीक फॉर्मूला देने के लिए, बहुराष्ट्रीय कंपनी – रॉकसन इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने बीआरपीएल की सेवाएं लेने का फैसला किया है। इस बहुराष्ट्रीय कंपनी ने बीआरपीएल को अपना *टेक्निकल सर्विस पार्टनर* बनाया है। बीआरपीएल की मदद से रॉकसन कंपनी नाइजीनिया की सरकार को एक विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था का फॉर्मूला देगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि देश में निर्बाध बिजली आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। वहां की सरकार को यह भी जानकारी दी जाएगी कि बेहतरीन कस्टमर केयर सेवाएं कैसे मुहैया कराई जा सकती हैं, और साथ ही, भारी एटीएंडसी लॉस में कमी लाना किस तरह संभव हो सकता है। नाइजीरिया, अफ्रीका महादेश का एक विकासशील देश है।

दरअसल, इन दिनों नाइजीनिया के सरकारी बिजली बोर्ड के निजीकरण की तैयारियां चल रही हैं। इस सिलसिले में विभिन्न कंपनियों से बिड मंगवाए गए हैं। अब नाइजीरिया में भी दिल्ली जैसी बिजली व्यवस्था होगी। वहां की बिजली वितरण कंपनियों में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी निजी क्षेत्र की होगी। बहुराष्ट्रीय इंजीनियरिंग कंपनियों ने बिडिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के मद्देनजर, रॉकसन कंपनी बीआरपीएल की सेवाएं लेगी। रॉकसन कंपनी वहां की सरकार को विश्वास दिलाना चाहती है कि जिस तरह बीआरपीएल ने एटीएंडसी लॉस को कम करने में वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है, उसी तरह रॉकसन कंपनी भी नाइजीरिया में एटीएंडसी लॉस में आश्चर्यजनक तरीके से कमी लाएगी।

गौरतलब है कि रॉकसन के पास पावर प्लांट बनाने और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने का पहले से ही काफी अनुभव है और वह नाइजीरिया समेत कई देशों में सक्रिय है। फिलहाल, रॉकसन कंपनी नाइजीरिया के 3 बिजली वितरण कंपनियों के लिए बिड कर रही है। ये हैं– इकेजा, पोर्ट हरकोर्ट और बेनिन वितरण कंपनियां। इनका निजीकरण, वहां के ब्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज द्वारा किया जा रहा है।

बीआरपीएल क्या करेगा रॉकसन के लिए :

बीआरपीएल रॉकसन के लिए तकनीकी और व्यावसायिक बिड के कागजात तैयार करेगा, जिसमें इन बातों पर फोकस होगा : एटीएंडसी लॉस में भारी कमी लाना, कस्टमर केयर सेवाओं को बेहतर बनाना, भरोसेमंद नेटवर्क खड़ा करना, ऑरपेशन व मेंटेनेंस सिस्टम की बेहतरी सुनिश्चित करना, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना, कस्टमर सर्विस सेंटर बनाना, कर्मचारियों की बेहतरी के लिए अच्छा एचआर सिस्टम बनाना। इन्हें हासिल करने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे और किस तरह के सपोर्ट सर्विस की जरूरत होगी– यह भी बीआरपीएल अपने रिपोर्ट में बताएगा।

बीआरपीएल को क्या फायदा मिलेगाः

इस पहल में बीआरपीएल को जो फीस मिलेगी, उसे नॉन–टैरिफ इनकम में शामिल किया जाएगा। गौरतलब है कि डीईआरसी ने बिजली कंपनियों को नॉन–टैरिफ इनकम के रास्ते तलाशने का निर्देश दिया है। नॉन टैरिफ इनकम बढ़ने से अंततः उपभोक्ताओं का ही फायदा होगा। क्योंकि, इन तरीकों से जो आय होगी, वह टैरिफ में जाएगा और उपभोक्ताओं पर टैरिफ का कुछ कम बोझ पड़ेगा।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट को हासिल करने से बीआरपीएल की प्रतिष्ठा तो बढ़ी ही है, साथ ही दिल्ली की बिजली वितरण व्यवस्था को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। यहां बिजली व्यवस्था की जो कायापलट हुई है, उस पर वैश्विक स्तर पर नई बहस शुरू होगी।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव और विदेशी सरकारों व कंपनियों के साथ्ज्ञ बातचीत से बीआरपीएल के कर्मचारियों की स्किल और अच्छी होगी और उनके लिए अवसर भी बढ़ेंगे।

यह बीआरपीएल का पहना अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट है। दिल्ली की इस उपलब्धि के बारे में बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने कहा– रॉकसन कंपनी के साथ हमारा यह समझौता एक बार फिर इस बात को रेखांकित करता है कि बीआरपीएल ने राजधानी दिल्ली के एक बड़े हिस्से में अंतरराष्ट्रीय स्तर की बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की है। यह समझौता सिर्फ बीआरपीएल के लिए ही एक बेहतर भविष्य का संकेत नहीं है, बल्कि यह देश की तमाम बिजली वितरण कंपनियों के लिए दूसरे देशों के दरवाजे खोलेगा।

श्री सक्सेना ने बताया कि नाइजीरियाई कंपनियों ने कई अमेरिकी और यूरोपियन बिजली वितरण कंपनियों से बात की, लेकिन बीआरपीएल की उपलब्धियों को देखते हुए रॉकसन कंपनी ने हमें यह कॉन्ट्रैक्ट दिया। दूसरी ओर, बीआरपीएल ने रॉकसन कंपनी के शानदार ट्रैक रेकॉर्ड और अफ्रीका समेत अन्य महादेशों में उसकी उपस्थिति को देखते हुए रॉकसन से समझौता किया।

रॉकसन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जेएलए अरूमेमी जॉनसन ने कहा– हमें हाल ही में पता चला कि भारत और नाइजीरिया के बिजली नेटवर्क और समस्याओं में भी काफी समानताएं हैं। इसलिए, भारत के बारे में हमने सोचना शुरू किया। जब हमने भारत का दौरा किया और दिल्ली की बिजली व्यवस्था की बीआपीएल द्वारा की गई कायापलट के बारे में जाना, तो टेक्निकल सेवाओं के लिए बीआरपीएल का चयन करना हमारे लिए आसान हो गया। खासकर, बीआरपीएल द्वारा 2002 से 2011 के दौरान की गई एटीएंडसी लॉस में कमी ने हमें काफी प्रभावित किया। हमें उम्मीद है कि रॉकसन और बीआरपीएल के साझा प्रयासों से हमें बिड में सफलता मिलेगी।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट को तैयार करते में बीआरपीएल अपने इन–हाउस इंजीनियरों व विशेषज्ञों की सेवाएं तो लेगा ही, साथ ही अपने नॉलेज पार्टनर एक्सेंचर की मदद भी लेगा। एक्सेंचर इंडिया के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री अविनाश वशिष्ठ कहते हैं– एक्सेंचर लंबे समय से बीआरपीएल का नॉलेज पार्टनर है और बीआरपीएल के इस प्रतिष्ठित नाइजीरियन प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी खुश है। बीआरपीएल के इस प्रोजेक्ट में एक्सेंचर अपनी स्ट्रेटजिक व ऑपरेशनल सलाहकार सेवाएं तो मुहैया कराएगा ही, साथ ही भारतीय और ग्लोबल पावर सेक्टर का अपना डोमेन विशेषज्ञता भी उपलब्ध कराएगा। नाइजीरिया जैसे विकासशील देशों के लिए खासतौर पर तैयार अपने अनोखे संसाधनों का भी एक्सेंचर उपयोग करेगा। गौरतलब है कि भारत में एक्सेंचर अपनी 25वीं सालगिरह मना रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।